

| Redni broj | Naziv jedinice | 15.01.2023. |  | 16.01.2023. |  | 17.01.2023. |  | 18.01.2023. |  | 19.01.2023. |  | 20.01.2023. |  | 21.01.2023. |  | 22.01.2023. |  | 23.01.2023. |  | 24.01.2023. |  | 25.01.2023. |  | 26.01.2023. |  | 27.01.2023. |  | 28.01.2023. |  | 29.01.2023. |  | 30.01.2023. |  | 31.01.2023. |  | 01.02.2023. |  | 02.02.2023. |  | 03.02.2023. |  | 04.02.2023. |  | 05.02.2023. |  | 06.02.2023. |  | 07.02.2023. |  | 08.02.2023. |  | 09.02.2023. |  | 10.02.2023. |  | 11.02.2023. |  | 12.02.2023. |  | 13.02.2023. |  | 14.02.2023. |  | 15.02.2023. |  | 16.02.2023. |  | 17.02.2023. |  | 18.02.2023. |  | 19.02.2023. |  | 20.02.2023. |  | 21.02.2023. |  | 22.02.2023. |  | 23.02.2023. |  | 24.02.2023. |  | 25.02.2023. |  | 26.02.2023. |  | 27.02.2023. |  | 28.02.2023. |  | 29.02.2023. |  | 01.03.2023. |  | 02.03.2023. |  | 03.03.2023. |  | 04.03.2023. |  | 05.03.2023. |  | 06.03.2023. |  | 07.03.2023. |  | 08.03.2023. |  | 09.03.2023. |  | 10.03.2023. |  | 11.03.2023. |  | 12.03.2023. |  | 13.03.2023. |  | 14.03.2023. |  | 15.03.2023. |  | 16.03.2023. |  | 17.03.2023. |  | 18.03.2023. |  | 19.03.2023. |  | 20.03.2023. |  | 21.03.2023. |  | 22.03.2023. |  | 23.03.2023. |  | 24.03.2023. |  | 25.03.2023. |  | 26.03.2023. |  | 27.03.2023. |  | 28.03.2023. |  | 29.03.2023. |  | 30.03.2023. |  | 31.03.2023. |  | 01.04.2023. |  | 02.04.2023. |  | 03.04.2023. |  | 04.04.2023. |  | 05.04.2023. |  | 06.04.2023. |  | 07.04.2023. |  | 08.04.2023. |  | 09.04.2023. |  | 10.04.2023. |  | 11.04.2023. |  | 12.04.2023. |  | 13.04.2023. |  | 14.04.2023. |  | 15.04.2023. |  | 16.04.2023. |  | 17.04.2023. |  | 18.04.2023. |  | 19.04.2023. |  | 20.04.2023. |  | 21.04.2023. |  | 22.04.2023. |  | 23.04.2023. |  | 24.04.2023. |  | 25.04.2023. |  | 26.04.2023. |  | 27.04.2023. |  | 28.04.2023. |  | 29.04.2023. |  | 30.04.2023. |  | 01.05.2023. |  | 02.05.2023. |  | 03.05.2023. |  | 04.05.2023. |  | 05.05.2023. |  | 06.05.2023. |  | 07.05.2023. |  | 08.05.2023. |  | 09.05.2023. |  | 10.05.2023. |  | 11.05.2023. |  | 12.05.2023. |  | 13.05.2023. |  | 14.05.2023. |  | 15.05.2023. |  | 16.05.2023. |  | 17.05.2023. |  | 18.05.2023. |  | 19.05.2023. |  | 20.05.2023. |  | 21.05.2023. |  | 22.05.2023. |  | 23.05.2023. |  | 24.05.2023. |  | 25.05.2023. |  | 26.05.2023. |  | 27.05.2023. |  | 28.05.2023. |  | 29.05.2023. |  | 30.05.2023. |  | 31.05.2023. |  | 01.06.2023. |  | 02.06.2023. |  | 03.06.2023. |  | 04.06.2023. |  | 05.06.2023. |  | 06.06.2023. |  | 07.06.2023. |  | 08.06.2023. |  | 09.06.2023. |  | 10.06.2023. |  | 11.06.2023. |  | 12.06.2023. |  | 13.06.2023. |  | 14.06.2023. |  | 15.06.2023. |  | 16.06.2023. |  | 17.06.2023. |  | 18.06.2023. |  | 19.06.2023. |  | 20.06.2023. |  | 21.06.2023. |  | 22.06.2023. |  | 23.06.2023. |  | 24.06.2023. |  | 25.06.2023. |  | 26.06.2023. |  | 27.06.2023. |  | 28.06.2023. |  | 29.06.2023. |  | 30.06.2023. |  | 01.07.2023. |  | 02.07.2023. |  | 03.07.2023. |  | 04.07.2023. |  | 05.07.2023. |  | 06.07.2023. |  | 07.07.2023. |  | 08.07.2023. |  | 09.07.2023. |  | 10.07.2023. |  | 11.07.2023. |  | 12.07.2023. |  | 13.07.2023. |  | 14.07.2023. |  | 15.07.2023. |  | 16.07.2023. |  | 17.07.2023. |  | 18.07.2023. |  | 19.07.2023. |  | 20.07.2023. |  | 21.07.2023. |  | 22.07.2023. |  | 23.07.2023. |  | 24.07.2023. |  | 25.07.2023. |  | 26.07.2023. |  | 27.07.2023. |  | 28.07.2023. |  | 29.07.2023. |  | 30.07.2023. |  | 31.07.2023. |  | 01.08.2023. |  | 02.08.2023. |  | 03.08.2023. |  | 04.08.2023. |  | 05.08.2023. |  | 06.08.2023. |  | 07.08.2023. |  | 08.08.2023. |  | 09.08.2023. |  | 10.08.2023. |  | 11.08.2023. |  | 12.08.2023. |  | 13.08.2023. |  | 14.08.2023. |  | 15.08.2023. |  | 16.08.2023. |  | 17.08.2023. |  | 18.08.2023. |  | 19.08.2023. |  | 20.08.2023. |  | 21.08.2023. |  | 22.08.2023. |  | 23.08.2023. |  | 24.08.2023. |  | 25.08.2023. |  | 26.08.2023. |  | 27.08.2023. |  | 28.08.2023. |  | 29.08.2023. |  | 30.08.2023. |  | 31.08.2023. |  | 01.09.2023. |  | 02.09.2023. |  | 03.09.2023. |  | 04.09.2023. |  | 05.09.2023. |  | 06.09.2023. |  | 07.09.2023. |  | 08.09.2023. |  | 09.09.2023. |  | 10.09.2023. |  | 11.09.2023. |  | 12.09.2023. |  | 13.09.2023. |  | 14.09.2023. |  | 15.09.2023. |  | 16.09.2023. |  | 17.09.2023. |  | 18.09.2023. |  | 19.09.2023. |  | 20.09.2023. |  | 21.09.2023. |  | 22.09.2023. |  | 23.09.2023. |  | 24.09.2023. |  | 25.09.2023. |  | 26.09.2023. |  | 27.09.2023. |  | 28.09.2023. |  | 29.09.2023. |  | 30.09.2023. |  | 01.10.2023. |  | 02.10.2023. |  | 03.10.2023. |  | 04.10.2023. |  | 05.10.2023. |  | 06.10.2023. |  | 07.10.2023. |  | 08.10.2023. |  | 09.10.2023. |  | 10.10.2023. |  | 11.10.2023. |  | 12.10.2023. |  | 13.10.2023. |  | 14.10.2023. |  | 15.10.2023. |  | 16.10.2023. |  | 17.10.2023. |  | 18.10.2023. |  | 19.10.2023. |  | 20.10.2023. |  | 21.10.2023. |  | 22.10.2023. |  | 23.10.2023. |  | 24.10.2023. |  | 25.10.2023. |  | 26.10.2023. |  | 27.10.2023. |  | 28.10.2023. |  | 29.10.2023. |  | 30.10.2023. |  | 31.10.2023. |  | 01.11.2023. |  | 02.11.2023. |  | 03.11.2023. |  | 04.11.2023. |  | 05.11.2023. |  | 06.11.2023. |  | 07.11.2023. |  | 08.11.2023. |  | 09.11.2023. |  | 10.11.2023. |  | 11.11.2023. |  | 12.11.2023. |  | 13.11.2023. |  | 14.11.2023. |  | 15.11.2023. |  | 16.11.2023. |  | 17.11.2023. |  | 18.11.2023. |  | 19.11.2023. |  | 20.11.2023. |  | 21.11.2023. |  | 22.11.2023. |  | 23.11.2023. |  | 24.11.2023. |  | 25.11.2023. |  | 26.11.2023. |  | 27.11.2023. |  | 28.11.2023. |  | 29.11.2023. |  | 30.11.2023. |  | 01.12.2023. |  | 02.12.2023. |  | 03.12.2023. |  | 04.12.2023. |  | 05.12.2023. |  | 06.12.2023. |  | 07.12.2023. |  | 08.12.2023. |  | 09.12.2023. |  | 10.12.2023. |  | 11.12.2023. |  | 12.12.2023. |  | 13.12.2023. |  | 14.12.2023. |  | 15.12.2023. |  | 16.12.2023. |  | 17.12.2023. |  | 18.12.2023. |  | 19.12.2023. |  | 20.12.2023. |  | 21.12.2023. |  | 22.12.2023. |  | 23.12.2023. |  | 24.12.2023. |  | 25.12.2023. |  | 26.12.2023. |  | 27.12.2023. |  | 28.12.2023. |  | 29.12.2023. |  | 30.12.2023. |  | 31.12.2023. |  | 01.01.2024. |  | 02.01.2024. |  | 03.01.2024. |  | 04.01.2024. |  | 05.01.2024. |  | 06.01.2024. |  | 07.01.2024. |  | 08.01.2024. |  | 09.01.2024. |  | 10.01.2024. |  | 11.01.2024. |  | 12.01.2024. |  | 13.01.2024. |  | 14.01.2024. |  | 15.01.2024. |  | 16.01.2024. |  | 17.01.2024. |  | 18.01.2024. |  | 19.01.2024. |  | 20.01.2024. |  | 21.01.2024. |  | 22.01.2024. |  | 23.01.2024. |  | 24.01.2024. |  | 25.01.2024. |  | 26.01.2024. |  | 27.01.2024. |  | 28.01.2024. |  | 29.01.2024. |  | 30.01.2024. |  | 31.01.2024. |  | 01.02.2024. |  | 02.02.2024. |  | 03.02.2024. |  | 04.02.2024. |  | 05.02.2024. |  | 06.02.2024. |  | 07.02.2024. |  | 08.02.2024. |  | 09.02.2024. |  | 10.02.2024. |  | 11.02.2024. |  | 12.02.2024. |  | 13.02.2024. |  | 14.02.2024. |  | 15.02.2024. |  | 16.02.2024. |  | 17.02.2024. |  | 18.02.2024. |  | 19.02.2024. |  | 20.02.2024. |  | 21.02.2024. |  | 22.02.2024. |  | 23.02.2024. |  | 24.02.2024. |  | 25.02.2024. |  | 26.02.2024. |  | 27.02.2024. |  | 28.02.2024. |  | 29.02.2024. |  | 01.03.2024. |  | 02.03.2024. |  | 03.03.2024. |  | 04.03.2024. |  | 05.03.2024. |  | 06.03.2024. |  | 07.03.2024. |  | 08.03.2024. |  | 09.03.2024. |  | 10.03.2024. |  | 11.03.2024. |  | 12.03.2024. |  | 13.03.2024. |  | 14.03.2024. |  | 15.03.2024. |  | 16.03.2024. |  | 17.03.2024. |  | 18.03.2024. |  | 19.03.2024. |  | 20.03.2024. |  | 21.03.2024. |  | 22.03.2024. |  | 23.03.2024. |  | 24.03.2024. |  | 25.03.2024. |  | 26.03.2024. |  | 27.03.2024. |  | 28.03.2024. |  | 29.03.2024. |  | 30.03.2024. |  | 31.03.2024. |  | 01.04.2024. |  | 02.04.2024. |  | 03.04.2024. |  | 04.04.2024. |  | 05.04.2024. |  | 06.04.2024. |  | 07.04.2024. |  | 08.04.2024. |  | 09.04.2024. |  | 10.04.2024. |  | 11.04.2024. |  | 12.04.2024. |  | 13.04.2024. |  | 14.04.2024. |  | 15.04.2024. |  | 16.04.2024. |  | 17.04.2024. |  | 18.04.2024. |  | 19.04.2024. |  | 20.04.2024. |  | 21.04.2024. |  | 22.04.2024. |  | 23.04.2024. |  | 24.04.2024. |  | 25.04.2024. |  | 26.04.2024. |  | 27.04.2024. |  | 28.04.2024. |  | 29.04.2024. |  | 30.04.2024. |  | 01.05.2024. |  | 02.05.2024. |  | 03.05.2024. |  | 04.05.2024. |  | 05.05.2024. |  | 06.05.2024. |  | 07.05.2024. |  | 08.05.2024. |  | 09.05.2024. |  | 10.05.2024. |  | 11.05.2024. |  | 12.05.2024. |  | 13.05.2024. |  | 14.05.2024. |  | 15.05.2024. |  | 16.05.2024. |  | 17.05.2024. |  | 18.05.2024. |  | 19.05.2024. |  | 20.05.2024. |  | 21.05.2024. |  | 22.05.2024. |  | 23.05.2024. |  | 24.05.2024. |  | 25.05.2024. |  | 26.05.2024. |  | 27.05.2024. |  | 28.05.2024. |  | 29.05.2024. |  | 30.05.2024. |  | 31.05.2024. |  | 01.06.2024. |  | 02.06.2024. |  | 03.06.2024. |  | 04.06.2024. |  | 05.06.2024. |  | 06.06.2024. |  | 07.06.2024. |  | 08.06.2024. |  | 09.06.2024. |  | 10.06.2024. |  | 11.06.2024. |  | 12.06.2024. |  | 13.06.2024. |  | 14.06.2024. |  | 15.06.2024. |  | 16.06.2024. |  | 17.06.2024. |  | 18.06.2024. |  | 19.06.2024. |  | 20.06.2024. |  | 21.06.2024. |  | 22.06.2024. |  | 23.06.2024. |  | 24.06.2024. |  | 25.06.2024. |  | 26.06.2024. |  | 27.06.2024. |  | 28.06.2024. |  | 29.06.2024. |  | 30.06.2024. |  | 01.07.2024. |  | 02.07.2024. |  | 03.07.2024. |  | 04.07.2024. |  | 05.07.2024. |  | 06.07.2024. |  | 07.07.2024. |  | 08.07.2024. |  | 09.07.2024. |  | 10.07.2024. |  | 11.07.2024. |  | 12.07.2024. |  | 13.07.2024. |  | 14.07.2024. |  | 15.07.2024. |  | 16.07.2024. |  | 17.07.2024. |  | 18.07.2024. |  | 19.07.2024. |  | 20.07.2024. |  | 21.07.2024. |  | 22.07.2024. |  | 23.07.2024. |  | 24.07.2024. |  | 25.07.2024. |  | 26.07.2024. |  | 27.07.2024. |  | 28.07.2024. |  | 29.07.2024. |  | 30.07.2024. |  | 31.07.2024. |  | 01.08.2024. |  | 02.08.2024. |  | 03.08.2024. |  | 04.08.2024. |  | 05.08.2024. |  | 06.08.2024. |  | 07.08.2024. |  | 08.08.2024. |  | 09.08.2024. |  | 10.08.2024. |  | 11.08.2024. |  | 12.08.2024. |  | 13.08.2024. |  | 14.08.2024. |  | 15.08.2024. |  | 16.08.2024. |  | 17.08.2024. |  | 18.08.2024. |  | 19.08.2024. |  | 20.08.2024. |  | 21.08.2024. |  | 22.08.2024. |  | 23.08.2024. |  | 24.08.2024. |  | 25.08.2024. |  | 26.08.2024. |  | 27.08.2024. |  | 28.08.2024. |  | 29.08.2024. |  | 30.08.2024. |  | 31.08.2024. |  | 01.09.2024. |  | 02.09.2024. |  | 03.09.2024. |  | 04.09.2024. |  | 05.09.2024. |  | 06.09.2024. |  | 07.09.2024. |  | 08.09.2024. |  | 09.09.2024. |  | 10.09.2024. |  | 11.09.2024. |  | 12.09.2024. |  | 13.09.2024. |  | 14.09.2024. |  | 15.09.2024. |  | 16.09.2024. |  | 17.09.2024. |  | 18.09.2024. |  | 19.09.2024. |  | 20.09.2024. |  | 21.09.2024. |  | 22.09.2024. |  | 23.09.2024. |  | 24.09.2024. |  | 25.09.2024. |  | 26.09.2024. |  | 27.09.2024. |  | 28.09.2024. |  | 29.09.2024. |  | 30.09.2024. |  | 01.10.2024. |  | 02.10.2024. |  | 03.10.2024. |  | 04.10.2024. |  | 05.10.2024. |  | 06.10.2024. |  | 07.10.2024. |  | 08.10.2024. |  | 09.10.2024. |  | 10.10.2024. |  | 11.10.2024. |  | 12.10.2024. |  | 13.10.2024. |  | 14.10.2024. |  | 15.10.2024. |  | 16.10.2024. |  | 17.10.2024. |  | 18.10.2024. |  | 19.10.2024. |  | 20.10.2024. |  | 21.10.2024. |  | 22.10.2024. |  | 23.10.2024. |  | 24.10.2024. |  | 25.10.2024. |  | 26.10.2024. |  | 27.10.2024. |  | 28.10.2024. |  | 29.10.2024. |  | 30.10.2024. |  | 31.10.2024. |  | 01.11.2024. |  | 02.11.2024. |  | 03.11.2024. |  | 04.11.2024. |  | 05.11.2024. |  | 06.11.2024. |  | 07.11.2024. |  | 08.11.2024. |  | 09.11.2024. |  | 10.11.2024. |  | 11.11.2024. |  | 12.11.2024. |  | 13.11.2024. |  | 14.11.2024. |  | 15.11.2024. |  | 16.11.2024. |  | 17.11.2024. |  | 18.11.2024. |  | 19.11.2024. |  | 20.11.2024. |  | 21.11.2024. |  | 22.11.2024. |  | 23.11.2024. |  | 24.11.2024. |  | 25.11.2024. |  | 26.11.2024. |  | 27.11.2024. |  | 28.11.2024. |  | 29.11.2024. |  | 30.1 |  |
|------------|----------------|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|------|--|
|------------|----------------|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|-------------|--|------|--|